भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2377

दिनांक 06 अगस्त, 2024

एक वैज्ञानिक, एक उत्पाद कार्यक्रम

2377. श्री टी. एम. सेल्वागणपति:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए 'एक वैज्ञानिक, एक उत्पाद' कार्यक्रम शुरू किया है;

(ख) क्या आईसीएआर ने संस्थान के अंतर्गत कार्यरत सभी 5,521 वैज्ञानिकों को एक उत्पाद, प्रौद्योगिकी, मॉडल, अवधारणा अथवा अच्छे प्रकाशन के विकास का लक्ष्य दिया था;

(ग) क्या आईसीएआर केंद्र की 100 दिवसीय कार्य योजना के एक भाग के तौर पर 100 दिनों में 100 नई बीज किस्मों और 100 कृषि प्रौद्योगिकियों को विकसित करने का प्रयास कर रहा था;

(घ) क्या प्रजनक बीजों की मदद से लगभग 16 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर गेहूं, चावल, पर्ल मिलेट, मसूर और सरसों सहित विभिन्न फसलों की जैव-प्रबलित किस्में उगाई जा रही हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने अपने वैज्ञानिकों को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान उत्पादकता और आउटपुट में सुधार के लिए 'एक वैज्ञानिक एक उत्पाद' के लक्षित दृष्टिकोण पर काम करने की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिक विभिन्न आंतरिक और बाहरी रूप से वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं में लगे हुए हैं और टीम मोड में काम करते हैं। प्रौद्योगिकियां, मॉडल, अवधारणाएं, दृष्टिकोण, कार्यप्रणालियां, प्रकाशन इत्यादि अनुसंधान परियोजनाओं के आउटपुट हैं। प्रत्येक अनुसंधान परियोजना, परियोजना के दायरे के आधार पर ऐसे आउटपुट/उत्पाद बनाती है।

(ग): 100 दिन में 100 नई बीज किस्में और 100 खेती प्रौद्योगिकियां केन्द्र की 100 दिवसीय कार्ययोजना का हिस्सा हैं।

(घ) एवं (ङ): विगत 10 वर्षों के दौरान, ICAR द्वारा जैवप्रबलित कुल 150 किस्में विकसित की गई हैं, जिसमें 132 खेत फसलें तथा 18 बागवानी फसलें शामिल हैं। विगत पांच वर्षों (2019-20 से 2023-24) के दौरान जैव प्रबलित खेत फसल किस्मों के 58037 क्विंटल प्रजनक बीज उत्पादित किए गए तथा आधारी एवं प्रमाणित बीज के डाऊनस्ट्रीम मल्टीप्लीकेशन के लिए विभिन्न बीज उत्पादक एजेन्सियों को आपूर्ति किये गए। बीज उत्पादन की मात्रा के आधार पर 16.0 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र विभिन्न फसलों की जैव प्रबलित किस्मों के अंतर्गत है, जिसमें 2023-24 के दौरान गेहूं (13.0 मिलियन हेक्टेयर), चावल (0.5 मिलियन हेक्टेयर), बाजरा (1.5 मिलियन हेक्टेयर), मसूर (0.5 मिलियन हेक्टेयर) एवं सरसों (0.75 मिलियन हेक्टेयर) शामिल है।

******